जब आपके परिवार का सदस्य या मित्र घर पर मृत्यु का इन्तज़ार करने की इच्छा प्रकट करता है और अस्पताल से घर जाना चाहता है तो आपको किन बातों पर विचार करना चाहिए

यह जानकारी आपको यह निर्णय लेने में सहायता देगी कि आप अपने परिवार के सदस्य या मित्र को उसके जीवन के अन्तिम दिनों या सप्ताहों के लिए, घर पर स्वर्गवास के लिए अस्पताल से घर (रिहायशी वृद्ध देखभाल सुविधा) लेजा पाएँगे या नहीं। **प्रश्न पूछने से आपको यह निर्णय लेने में सहायता मिलेगी कि देखभाल के लिए सबसे अच्छा स्थान कौनसा है।** यदि आपको कुछ पूछना है तो कृपया बिना हिचकिचाहट के स्वास्थ्य देखभाल दल या सामुदायिक नर्स से पूछें।

देखभाल प्रदान करने के लिए कौन उपलब्ध है?

ऐसा व्यक्ति जो अपने जीवन के अन्तिम कुछ दिनों या से कुछ सप्ताहों तक ही जीने की स्थिति में है, उसकी देखभाल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आमतौर पर 2 लोगों की मदद की ज़रूरत होती है। इसमें से अधिकाँश देखभाल परिवार या मित्र द्वारा दी जानी ज़रूरी है। स्टाफ़ आपको बताएगा कि आपके परिवार के सदस्य या मित्र की देखभाल संबंधी क्या ज़रूरतें हैं व निजी देखभाल में आमतौर पर उन्हें कितने लोगों की मदद की ज़रूरत होगी।

निजी व नर्सिंग देखभाल कौन प्रदान करेगा?

सामाजिक कार्यकर्ता आपको बता सकता है कि आपको घर पर किस प्रकार की अतिरिक्त मदद मिल सकती है व उसमें कितना खर्चा है।

उपकरण: व्यवसाय संबंधी थैरापिस्ट (occupational therapist) आपको यह जानने में मदद करेगा कि आपको कौन से उपकरणों की आवश्यकता होगी और वे कितनी जल्दी आपके पास पहुँचा दिए जाएँगे। वे आपको यह भी बताएँगे कि इसमें कितना खर्चा होगा। सामान में हो सकता है कि अस्पताल का पलंग भी शामिल हो।

दवाएँ: इसके बारे में अपने डॉक्टर व नर्स से पूछें। आमतौर पर, इन्जेकशन की दवाओं का प्रबंध किया जाएगा जिससे कि यदि आवश्यकता हुई तो उनका इस्तेमाल किया जा सके। घर जाते समय आपको दवाओं के बारे में बताया जाएगा जिससे आपको पता हो कि दवाओं को कैसे व कब उपयोग करना है। आमतौर पर, जीवन के अन्तिम दिनों में व्यक्ति को निगलने में कठिनाई होती है और उनको आराम देने के लिए या दर्द या कोई अन्य समस्या होने पर इस्तेमाल करने के लिए उन्हें कुछ ही दवाएँ दी जाती हैं।

परिवार का डॉक्टर (GP) : घर पर देखभाल में सहायता प्रदान करने के लिए परिवार के डॉक्टर की आवश्यकता होगी। यह भी आवश्यक है कि भविष्य के बारे में सोचा जाए और परिवार के डॉक्टर से पता किया जाए कि उस व्यक्ति की मौत होने के बाद वह मृत्यु प्रमाण-पत्र पूरा करने के लिए तैयार होगा व वह उसके लिए उपलब्ध होगा।

यदि आप समझना चाहते हैं कि घर पर मौत होने के बाद क्या होता है तो उसके लिए अधिक जानकारी

कैसे पहचाना जाए कि व्यक्ति की मृत्यु हो गई है

जब मृत्यु हो जाती है तो व्यक्ति साँस लेना बंद कर देता है और दिल की धड़कन व नब्ज़ भी नहीं चलती। वे किसी भी उत्तेजना पर प्रतिक्रिया नहीं करेंगे। उनकी आँखें खुली हो सकती हैं, पर उनकी पुतलियाँ फैली हुई होंगी व एक ही जगह पर ठहरी होंगी। हो सकता है कि उनका मुँह थोड़ सा खुला हो। वे अपने मुत्राशय व आँतों पर नियंत्रण खो देते हैं और हो सकता है कि उनके मुँह से भी कुछ स्राव निकले।

आपको क्या करना चाहिए?

यह ऐसी मौत है जिसके बारे में आपको मालूम था, इसके बारे में आपको तुरंत एकदम किसी को बताने की आवश्यकता नहीं है, जब तक कि आप ख़ुद चाहते न हो। जल्दी करने की कोई आवश्यकता नहीं है। किसी रिश्तेदार या मित्र को फ़ोन करें, यदि आप चाहते हैं कि वे आपके साथ हों। यदि व्यक्ति की मृत्यु रात को हुई है तो डॉक्टर या नर्स को बताने के लिए आप सुबह तक प्रतिक्षा कर सकते हैं, पर यदि आप चाहें तो उनको तुरंत एकदम फ़ोन कर सकते हैं। मृत्यु के बाद व्यक्ति की कुछ और देखभाल व सफ़ाई करने में सामुदायिक नर्स मदद कर सकती है।

व्यक्ति की मृत्यु के बाद, यह आवश्यक है कि डॉक्टर मृत्यु के कारण के बारे में मेडिकल सर्टिफ़िकेट दे। यदि डॉक्टर उपलब्ध नहीं है तो कोई अधिकृत नर्स या पराचिकित्सक 'मृत्यु का सत्यापन' फ़ॉर्म पूरा कर सकते हैं जिससे यह पुष्टि होती है कि व्यक्ति की मृत्यु हो गई है और इससे डॉक्टर अगले 48 घंटों में मृत्यु के कारण के बारे में मेडिकल सर्टिफ़िकेट को पूरा कर सकता है।

यह डॉक्टर पर निर्भर है कि वह यह निर्णय ले कि उन्हें मृत्यु का कारण मालूम है और वह मृत्यु सर्टिफ़िकेट देने के लिए तैयार है। जब आप तैयार हो तो अंतिम संस्कार के डाएरेक्टर से संपर्क करें जो अंतिम संस्कार का प्रबंध करने में आपकी मदद करेगा।

मृत्यु समीक्षक के मामले

कई बार कुछ ऐसी मृत्यु होती हैं जिनके बारे में मृत्यु समीक्षक को बताना अनिवार्य होता है। घर पर होने वाली ऐसी मौत जिसकी पहले से आशा होती है वे वह आमतौर पर इस तरह का मामले नहीं होतेती। यदि इसके बारे में आपको कुछ पूछना है तो अपने डॉक्टर या नर्स से बात-चीत करें।

टिप्पणी

कभी भी आपको कुछ और पूछना हो तो उसे यहाँ पर लिख कर रखें और
अपने वार्ड के डॉक्टर व/या नर्स यूनिट की मैनेजर से बात करें

उपयोगी संपर्क नम्बर

	नाम	संपर्क नम्बर
नर्स मैनेजज़र		
मेडिकल ऑफ़िसर		
सामाजिक कार्यकर्ता		
पुरोहित/मौलवी/पादरी सेवा		
दुभाषिया सेवा		

Acknowledgment: Adapted from University Hospitals of Leicester, NHS Trust, UK; About the process of dying, Palliative Care, Victoria; Sydney Local Health District *Family/Carer Information for End of Life Care* information sheet.

Last Days of Life

CLINICAL EXCELLENCE COMMISSION

Released April 2016 © Clinical Excellence Commission SHPN (CEC) 160141